मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 170, मुंबई, शनिवार, 12 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

इलेक्शन कमीशन की गाइडलाइन

चुनाव लड़ने वालों और वोट करने वालों में जागरुकता आएगी: आयोग

संवाददाता

मुंबई। चुनाव आयोग ने नॉमिनेशन के लिए राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए संशोधित गाइडलाइन जारी की है। इसमें पार्टियों और प्रत्याशियों द्वारा उनके आपराधिक रिकॉर्ड की पब्लिसिटी के समय में बदलाव किया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पार्टियों और कैंडिडेट्स को अपने क्रिमिनल बैकग्राउंड की जानकारी न्यूज पेपर और टीवी पर तीन बार देनी होगी

आयोग ने कहा– इस बदलाव से वोटर को उस प्रत्याशी के बारे में ज्यादा जानकारी रहेगी, जिसे वह चुनने जा रहा है

भीमा-कोरेगांव मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी उद्धव ठाकरे सरकार!

(समावार पृष्ठ 3 पर)

सुशांत डेथ केस में ड्रग्स कनेक्शन

नया दावा

लॉकडाउन में सुशांत के घर से रिया के घर कूरियर के जरिए भेजा गया आधा किलो ड्रग्स, घरेलू सामान साथ रखा था, ताकि शक न हो

संवाददाता

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस से जुड़े ड्रग्स के मामले में नया दावा सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, लॉकडाउन के दौरान सुशांत के घर से रिया के घर ड्रग्स कूरियर के जरिए भेजा गया था। कहा जा रहा है कि सुशांत के घर से उनके कर्मचारी दीपेश सावंत ने कूरियर ब्वॉय को पार्सल दिया था, जो रिया के घर डिलीवर हुआ था। रिया के भाई शोविक ने इसे रिसीव किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो यह पार्सल अप्रैल में भेजा गया था, जिसमें आधा किलो मारिजुआना (ड्रग्स) था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

रिया जेल में ही रहेंगी, ड्रग्स केस में रिया चक्रवर्ती की दूसरी जमानत याचिका खारिज

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स एंगल सामने आने के बाद गिरफ्तार हुई रिया चक्रवर्ती की जमानत खारिज कर दी गई। उन्हें अब 22 सितंबर तक जेल में रहना होगा। रिया के अलावा, शोविक चक्रवर्ती, अब्दुल बासित, जैद विलात्रा, दीपेश सावंत और सैमुअल मिरांडा की याचिका भी खारिज हो गई। फैसला सुनाते समय जज जेबी गुरव ने कहा कि यह गंभीर अपराध है और इसकी जांच की जरूरत है। कोर्ट के फैसले पर रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा कि ऑर्डर की कॉपी मिलने के बाद हम आगे के कदम उठाएंगे। हम अगले हफ्ते हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। इससे पहले, मुंबई की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को फैसला रिजर्व रख लिया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पीठ पीछे की चिंता

राष्ट्रीय जनता दल के चंद कद्दावर नेताओं में शुमार रहे रघुवंश प्रसाद सिंह का पार्टी से इस्तीफा हमारी राजनीति के लिए न सिर्फ एक बड़ी घटना, बल्कि एक सबक भी है। हाथ से लिखे इस्तीफे के 30 शब्दों के साथ 32 साल के एक राजनीतिक सफर या राजनीतिक जोड़ी का अंत हो गया। कपूर्री ठाकुर जैसे जमीनी और ईमानदार नेता के साथ काम करते हुए ही लालू प्रसाद यादव और रघुवंश प्रसाद सिंह की जोड़ी बनी थी। ये दोनों एक ही पार्टी के दो पहलू रहे। लालू के स्वभाव के विपरीत रघुवंश प्रसाद सिंह राष्ट्रीय जनता दल में विकास की राजनीति का चेहरा थे। खांटी ग्रामीण पृष्ठभूमि के साथ-साथ उनकी छवि में पढ़े-लिखे ईमानदार नेता का पहलू भी बखूबी शामिल रहा है। वह अचानक राष्ट्रीय जनता दल से नहीं गए हैं, बल्कि उन्हें दल से धीरे-धीरे जाने दिया गया है। लालू प्रसाद यादव को लिखे उनके एकाधिक पत्र गवाह हैं कि रघुवंश प्रसाद सिंह बेमन से राजद से जुदा हुए हैं। कई बार बहुत कम पढे-लिखे नेताओं को आगे बढ़ाने वाले दल ने अपने सबसे पुराने पढ़े-लिखे नेता का मोल नहीं समझा। सत्ताकांक्षी कोई दल अपने सबसे अनुभवी नेता को ऐसे खोता है क्या? यह केवल राजद नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के लिए भी सोचने का समय है कि हम योग्यता को किस तरह से हाशिये की ओर धकेलते चले जा रहे हैं। रघुवंश प्रसाद सिंह अब जिस भी दल में जाएंगे, वह दल पहले से संपन्न ही होगा, लेकिन जिस दल ने उन्हें गंवा दिया है, वह भरपाई कैसे करेगा? उनकी चिट्ठी में जो दर्द व्यंजित हो रहा है, वह दरअसल लालू प्रसाद यादव को संबोधित है। उन्होंने लिखा है, '32 वर्षों तक आपके पीठ पीछे खड़ा रहा, लेकिन अब नहीं'। वाकई जब लालू यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक-एक कर काफी नेता साथ छोड़ते गए, जब लालू यादव ने अलग दल का निर्माण किया, जब वह चारा घोटाले के कारण जेल गए, तब भी रघुवंश प्रसाद सिंह पीठ पीछे ही खडे.रहे। लेकिन शायद यह भारतीय राजनीति का दुखद पहलू है कि कुछ ऐसे मजबूत दल हैं, जहां परिवार से बाहर का कोई सक्षम व्यक्ति उपाध्यक्ष पद से आगे नहीं बढ़ सकता। मुख्यमंत्री की कुरसी की जद्दोजहद में रघुवंश प्रसाद सिंह कभी नहीं दिखे, मगर अपने दल में यथोचित सम्मान के हकदार तो बेशक थे। उनकी एक छवि बिहार से बाहर पूरे देश के लिए यादगार है। मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी महा-योजना की जब शुरूआत हुई, तब रघुवंश प्रसाद सिंह ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री थे। उन्होंने देश को दिखाया कि बिहार के पास एक नेता ऐसा भी है, जो चुपचाप किसी बडे. नेता के 'पीठ पीछे' रहते बड़े काम को अंजाम दे सकता है। भारतीय राजनीति में इस समझ का पैदा होना अब और भी जरूरी हो गया है कि योग्यता वंशवाद से भी ज्यादा महत्व रखती है। इसमें यह भी जोड़ा जा सकता है कि वंशवाद को योग्यता की जरूरत हमेशा रहेगी और उसे देखना होगा कि उसके 'पीठ पीछे' का कोई सशक्त इंसान इस्तीफा देकर कहीं सामने न खड़ा हो जाए। आज जिस तरह चौतरफा चुनौतियों से हम घिरते चले जा रहे हैं, हमें राजनीति में भी योग्य लोगों को जुटाकर मजबूत करना होगा। हर दल को ऐसे जतन करने होंगे कि आंतरिक राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का कभी दिल न टूटे, ऐसा न लगे कि दल ने इस्तेमाल करके फेंक दिया।

हिंदी को मिले राष्ट्रभाषा की स्वीकार्यता

आजादी के बाद भारत के नीति नियंताओं ने राजकाज की भाषा के रूप में हिंदी को स्वीकार किया। कालांतर में साहित्य, फिल्म, कला, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, संचार, बाजार जैसे क्षेत्रों में हिंदी ने अपनी महत्ता कायम की है। भूमंडलीकरण और बाजारीकरण के चलते हिंदी का व्यापक प्रसार हुआ है। हिंदी की प्रासंगिकता और उपयोगिता ने हिंदी में अनुवाद कार्य का मार्ग प्रशस्त किया है जिसके चलते हिंदी बाजार और रोजगार से जुड़ी है। हिंदी का रोजगारपरक होना इसकी सबसे बड़ी खासियत है। पूंजीवाद के इस दौर में बाजार के लिए हिंदी अनिवार्य बन गई है। हिंदी ने करोड़ों भारतीयों को रोजगार दिया है। इंटरनेट, ई-मेल आदि पर हिंदी का प्रयोग बढ़ा है। अनेक विश्वविद्यालयों में राजभाषा प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र या डिप्लोमा पाठ्यक्रम अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया गया है।

इसके साथ हिंदी धीरे-धीरे अपना अंतरराष्ट्रीय स्थान ग्रहण कर रही है, क्योंकि बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, बढ़ता बाजार, हिंदी भाषी उपभोक्ता, हिंदी सिनेमा, प्रवासी भारतीय, हिंदी का विश्व बंधुत्व भाव हिंदी को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से सप्ताह में एक दिन हिंदी भाषा में एक समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया गया है। दुनिया में समाचार पत्रों में सबसे ज्यादा हिंदी के समाचार पत्र हैं। गूगल, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि भी हिंदी भाषा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन सबके चलते हिंदी समर्थ हो रही है। लेकिन हिंदी की विस्तार यात्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा होने के बावजूद हिंदी अभी संयुक्त राष्ट्र में भाषा के तौर पर शामिल नहीं हो सकी है। लेकिन हिंदी के पास भाषिक क्षमता इतनी ज्यादा है कि वह आसानी से विश्वभाषा बन सकती है। वहीं देश में ही गैर हिंदी भाषी राज्यों द्वारा इसका विरोध किया जाना विडंबना ही है। यह मिथ्या विरोध है। भारत वर्ष के सभी क्षेत्रों से हिंदी को सींचने का महत्वपूर्ण काम किया गया है। दूसरी तरफ इस युग में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अनेक भाषाओं में विस्तृत अध्ययन, अनुसंधान और लेखन कार्य हो रहा है, लेकिन हिंदी में इसकी कमी दिखाई देती है। हिंदी में विज्ञान व तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के ज्ञान-प्रधान साहित्य की कोई रचनात्मक परंपरा कायम नहीं हो पाई। पारिभाषिक शब्दावली के बिना विज्ञान व तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों का अनुवाद कठिन है। हिंदी में पारिभाषिक शब्दों के अभाव और अनेकरूपता के कारण इस क्षेत्र के अनुवादों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बहरहाल, राष्ट्रीयता, भारतीय संस्कृति, मातृभाषा आदि से जुड़े भावनात्मक नारों की अपेक्षा आर्थिक गति के बल पर हिंदी का भविष्य टिका है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रयोजनमूलक हिंदी ही हिंदी को विस्तार दे सकती है।

अतः हिंदी के प्रयोजनमूलक चरित्र की रूपरचना करनी जरूरी है। प्रयोजनमूलक हिंदी कामकाजी या व्यावहारिक हिंदी से भिन्न है। प्रयोजनमूलक हिंदी से तात्पर्य है, हिंदी का वह रूप, जिसका विशेष लक्ष्य या प्रयोजन है। इसे अंग्रेजी के फंक्शनल का हिंदी पर्याय कह सकते हैं। इसके तहत कार्यालयों में प्रयोग होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण और कौशल हासिल करने में सहयोग देना, तकनीकी भाषा की पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण करना, जनसंचार माध्यमों के अनुकूल हिंदी को विकसित करना, सामाजिक उत्तरदायित्व बोध एवं राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप लोगों की चेतना का विकास करना आदि शामिल है। तमाम बातों के बीच हिंदी के विकास के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हिंदी हाशिये की भाषा नहीं है। यह हमारी राष्ट्रभाषा के समान है, लिहाजा समय आ गया है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा की स्वीकार्यता मिले।

जब पंजाब, बंगाल और राजस्थान आदि की विधानसभाओं में भी नहीं हुए प्रश्नकाल, तो फिर क्यों है हंगामा

लगभग छह महीने पहले संसद का बजट सत्र कोरोना के कारण बीच में स्थगित करना पड़ा था। तबके मुकाबले आज भारत कोरोना से लड़ने में सक्षम तो दिख रहा है, लेकिन कोरोना का प्रसार भी कई गुना तेज है। संवैधानिक बाध्यता के कारण मानसून सत्र की घोषणा हो गई है, जो 14 सितंबर से शुरू होगा, लेकिन इसी के साथ एक बहस प्रश्नकाल स्थगित करने को लेकर छिड़ गई है। विपक्षी दलों की ओर से इसे ऐसे पेश किया जा रहा है जैसे यह आपातकाल लगाने की तैयारी है।

संसद और विधानसभाओं में प्रश्न काल की काफी महत्ता है, क्योंकि यह वह वक्त होता है जब जनप्रतिनिधि की योग्यता और समझ के साथ-साथ मंत्री की क्षमता का आकलन तो होता ही है, सरकार जवाब देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य भी होती है। यह एक लगाम है, जिसके जरिये सरकार को नियंत्रित किया जाता है। सरकार कोई भी हो, वह प्रश्नकाल में गलत जानकारी देकर नहीं बच सकती। यही कारण है कि कई बार सरकार ऐसे जवाब भी देती है, जिसमें वह खुद फंसने वाली होती है। संसदीय परंपरा में प्रश्नकाल जितना अहम है, सदस्यों की ओर से उसकी गरिमा का उतना ध्यान नहीं रखा जाता। यह एक काला अध्याय है कि संसद के कुछ सदस्यों ने पैसों की खातिर सवाल किए थे। इसके बाद संसद ने सांसदों को दंडित किया। इसमें अलग-अलग दल के सदस्य थे, लेकिन संसद एक थी, ताकि फिर कभी ऐसी घटना सामने न आए। संसद ने अपनी गरिमा के अनुसार यह कदम उठाया, लेकिन आज भी संसद की कार्यवाही सामान्यतया हर दिन शोरशराबे से ही शुरू होती है। शायद ही कोई दिन हो, जब विपक्षी सदस्यों की ओर से प्रश्नकाल स्थगन का आग्रह न होता हो। विपक्ष में कांग्रेस रही हो या भाजपा, यह दृश्य आम हुआ करता है। राजनीतिक दल इसे अपनी उपलब्धि मानते हैं कि उन्होंने कई- कई दिनों तक सदन की कार्यवाही नहीं चलने दी। जब कोई गर्म राजनीतिक मुद्दा हो तो कोशिश यह होती है कि प्रश्नकाल स्थगन हो और फिर पूरे दिन की कार्यवाही स्थगित हो जाए। अगर प्रश्नकाल स्थगित न भी हुआ और स्पीकर बहुत जतन से प्रश्नकाल कराने में सफल हो गए तो औसतन 5-6 सवाल होते हैं। शायद ही कभी ऐसा हुआ हो, जब सभी सवाल पूछे गए हों, लेकिन ऐसा तो सिर्फ रिकॉर्ड बनाने के लिए होता है।

इसीलिए राज्यसभा में प्रश्नकाल का वक्त बदल दिया गया और कार्यवाही शुरू होते ही सबसे पहले शून्यकाल कर दिया गया, ताकि तात्कालिक मुद्दों पर जो कुछ अवरोध होना है वह उसी एक घंटे में खत्म हो जाए और फिर प्रश्नकाल चले। ऐसी ही चर्चा लोकसभा के लिए भी हुई थी। हालांकि यहां यह सवाल रह जाता है कि आखिर शून्यकाल की महत्ता कहां गई? शून्यकाल सीधे-सीधे तात्कालिक मुद्दों से जुड़ा होता है, जिसमें सांसद अपने विशेषाधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाते हैं। इस बार शून्यकाल थोड़े कम वक्त के साथ बरकरार है। इतिहास में प्रश्नकाल स्थगित करने के उदाहरण हैं। 1962, 1975, 1976, 1991 में भी कुछ सत्रों में प्रश्नकाल स्थगित हुआ था। हाल में पंजाब, राजस्थान, बंगाल विधानसभा के जो सत्र आयोजित हुए, उनमें भी प्रश्नकाल नहीं हुआ। अगर ऐसा ही संसद में हो रहा है तो फिर इतना हंगामा क्यों? वैसे लिखित सवाल-जवाब अभी भी होंगे। जो चाहे सो सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य कर सकता है। जब स्थिति असामान्य हो तो बात सामान्य नहीं हो सकती। यह जरूर है कि संसद में अहम मुद्दों पर बहस जरूरी है।

कोरोना, अर्थव्यवस्था, चीन से तनाव आदि विषयों पर सरकार को जवाब देने होंगे। यह देखना अहम होगा कि सोशल मीडिया पर रोज आग उगलने वाले नेता संसद के अंदर क्या आंकड़े पेश करते हैं और कितनी गंभीर बहस करते हैं? इसमें शक है कि ज्वलंत मुद्दों पर ऐसी बहस हो पाएगी, जिससे जनता ज्यादा जागरूक होगी और उसमें ज्यादा समझ पैदा होगी। पिछले कुछ महीनों से जैसी बहस चल रही है, उससे तो यही लगता है कि बहस का स्तर बहुत ऊपर नहीं होगा। जहां तक प्रश्नकाल में पूछे गए सवालों की बात है तो यह लॉटरी से तय होता है कि कौन से 20 सवाल प्रश्नकाल के लिए लगेंगे और बाकी लिखित सवालों के खाते में चले जाएंगे। यह अच्छी बात भी है, क्योंकि किसी मुद्दे पर चलने वाली चर्चा में तो हर दल के खास और वरिष्ठ सांसद ही बाजी मार ले जाते हैं। कई बार ध्यानाकर्षण प्रस्ताव तक में देखा गया है कि पहले वक्ता अपनी बारी किसी वरिष्ठ सदस्य को दे देते हैं। प्रश्नकाल में जिसका प्रश्न वही अधिकारी। कई बार नए सदस्यों के लिए यह एक अवसर होता है। कहा जा सकता है कि जब संसद चल ही रही है तो फिर प्रश्नकाल से परहेज क्यों?

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
12 सितंबर, 2020

भीमा-कोरेगांव मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी उद्धव ठाकरे सरकार!

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार जल्दी ही भीमा-कोरेगांव मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर सकती है। गुरुवार को राज्य सरकार के कुछ मंत्रियों के साथ एनसीपी चीफ शरद पवार की मीटिंग में इस बात के संकेत मिले हैं। फिलहाल, एल्गार परिषद मामले की जांच एनआईए के हाथ में है, जिसे उसने जनवरी 2020 में अपने हाथ लिया था। तबसे जांच एजेंसी ने मामले में 6 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को एनसीपी चीफ ने भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में चल रही जांच की समीक्षा के लिए वाईबी चव्हाण भवन में एक

मीटिंग आयोजित की थी। बैठक में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, गृह मंत्री अनिल देशमुख, शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़, ऊर्जा मंत्री नितिन राउत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सीताराम कुंटे और प्रमुख सचिव (गृह) अमिताभ गुप्ता शामिल थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं और वकीलों के एक ग्रुप ने मामले की मौजूदा स्थिति के बारे में मंत्रियों को जानकारी दी। मीटिंग में शामिल एक वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भीमा-कोरेगांव मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन करेगी। उन्होंने बताया कि अनिल देशमुख, नितिन राउत और सीताराम कुंटे एसआईटी के तकनीकी पक्ष पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली बार राज्य सरकार ने एसआईटी के गठन की घोषणा की थी लेकिन जांच एनआईए ने संभाल लिया था। कानून व्यवस्था हालांकि राज्य सरकार का विषय है, ऐसे में प्रदेश सरकार एसआईटी का गठन कर सकती है।

एनआईए कर रही मामले की जांच

मंत्री ने कहा कि एनआईए एल्गार परिषद मामले की जांच कर रही है लेकिन हम भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले की जांच करेंगे और सही दोषियों के खिलाफ केस करेंगे। वहीं, इससे पहले दिसंबर 2019 में शरद पवार ने मामले में मानवाधिकार कार्यकताओं कि गिरफ्तारी को गलत और प्रतिशोधपूर्ण बताया था और मामले की जांच को एसआईटी से कराने की मांग की थी। महीने भर बीत जाने के बाद भी पवार की मांग पर विचार नहीं किया गया, जिसके बाद एनआईए ने पुणे पुलिस से मामले को अपने हाथ में लेकर जांच शुरू कर दी।

शरद पवार ने जांच पर उठाए सवाल: गुरुवार की मीटिंग में शरद पवार ने जांच की दिशा पर सवाल उठाए। उन्होंने राज्य सरकार को मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। पवार ने कहा कि वह एक्सपर्ट्स से राय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें हैरानी है कि तकरीबन हर रोज किसी न किसी को नक्सल बोलकर क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है। मुझे लगता है कि यह सही नहीं है। हमने भीमा-कोरेगांव मामले की समीक्षा की है। केंद्र के पास अधिकार है कि वह एनआईए के जरिए मामले की जांच करे लेकिन राज्य सरकार के पास भी कुछ शक्तियां हैं और हम देख रहे हैं कि महाराष्ट्र सरकार इसमें क्या कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इस मामले को संसद में उठाएंगे। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने भीमा-कोरेगांव कमिशन को तीन महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। कमीशन का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा था। लॉकडाउन की वजह से सरकार ने यह फैसला लिया है।

यरवडा सेंट्रल जेल के पास बनी एक अस्थाई जेल से दो कोरोना संक्रमित कैदी फरार

पुणे। पुणे की यरवडा सेंट्रल जेल के पास बनी एक अस्थाई जेल से दो कोरोना संक्रमित कैदी फरार हो गए। फरार कैदियों में से एक हत्या की कोशिश के मामले में आरोपी है। फरार कैदियों अनिल वेताल और विशाल खरात शामिल है। वेताल शिरुर तालुका के भीमा कोरेगांव स्थित गणेश नगर का रहने वाला है, जबकि खरात पुणे के निगड़ी इलाके का रहने वाला है। खरात शिरूर पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। जबकि वेताल को पिंपरी चिंचवड में दर्ज मारपीट और लूटपाट के मामले में

गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट में पेशी के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद दोनों को कारागार परिसर में ही एक इमारत में बने कोविड केयर सेंटर में रखा गया था। बिल्डिंग क्रमांक 104 की पहली मंजिल पर इलाज करा रहे दोनों कैदी रात सवा एक बजे के खिड़की की लोहे की छड़ काटी और भाग निकले। यहां कुल 20 कैदी रखे गए थे। पुणे पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर आरोपियों के बारे में जानकारी मिले तो येरवडा पुलिस स्टेशन में इसकी सूचना दें।

दो महीने पहले भी फरार हुए थे 5 कैदी: दो महीने पहले भी यरवडा जेल से 5 कैदी ग्रिल तोड़कर फरार हो गए। इनमें 3 पर हत्या और मकोका का केस दर्ज था। ये कैदी जेल की नई बिल्डिंग के कमरा नंबर 5 में खिड़की की ग्रिल काटकर फरार हुए हैं। इनमें देवगन अजिनाथ चव्हाण, गणेश अजिनाथ चव्हाण, अक्षय कोंडाक्य चव्हाण, अंजिक्य उत्तम कांबले और सनी टाइरोन पिंटो का नाम सामने आया था। हालांकि, तीन दिन के अंदर ही सभी को पकड़ लिया गया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

इलेक्शन कमीशन की गाइडलाइन

इसके मुताबिक, राजनीतिक दलों को अपने प्रत्याशियों और निर्दलीय प्रत्याशियों को अपने क्रिमिनल बैकग्राउंड की जानकारी तीन बार न्यूज पेपर और टेलीविजन पर देनी होगी।

पहली पब्लिसिटीः नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख के शुरूआती 4 दिनों के भीतर जानकारी देनी होगी।

दूसरी पब्लिसिटीः नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख में 5 से 8 दिन बाकी रहने के भीतर जानकारी देनी होगी।

तीसरी पब्लिसिटीः चुनाव प्रचार में जब 9 दिन बाकी रह जाएं, तब से लेकर चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले यह जानकारी देनी होगी। चुनाव प्रचार वोटिंग के दो दिन पहले खत्म होते हैं।

आयोग ने कहा कि जहां पर प्रत्याशी और पार्टियों द्वारा उतारे गए कैंडिडेट निर्विरोध जीत रहे हैं, उन्हें भी इसी तरह से क्रिमिनल बैकग्राउंड की जानकारी देनी होगी। इस संबंध में अब तक जो फॉरमेट और इंस्ट्रक्शन जारी किए गए हैं, उन्हें भी पब्लिश किया गया है। चुनाव आयोग का मानना है कि इस प्रक्रिया से वोटरों, पार्टियों और प्रत्याशियों में जागरुकता फैलेगी। इससे वोटरों को ज्यादा जानकारी के साथ अपनी पसंद का चयन करने का मौका मिलेगा। आयोग ने कहा कि हमारा हमेशा ही इस बार पर जोर रहा है कि चुनावी लोकतंत्र की बेहतरी के लिए नैतिक सख्ती को लागू किया जाए। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होंगे।

सुशांत डेथ केस में ड्रग्स कनेक्शन

किसी को शक न हो इसलिए पार्सल के साथ कुछ घरेलू सामान भी पैक किया जाता था। इसे कूरियर से इसलिए भेजा जाता था, ताकि लॉकडाउन के दौरान पुलिस की चैकिंग में इसे पकड़ा न जा सके। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने कूरियर ब्वॉय का बयान दर्ज कर लिया है। उसने दीपेश सावंत और शोविक चक्रवर्ती की पहचान की है। दोनों के साथ कूरियर ब्वॉय की फोन कॉल डिटेल भी ट्रेस की गई थी। एक अन्य रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि एनसीबी की पूछताछ में रिया चक्रवर्ती ने कुछ ऐसे बॉलीवुड सेलेब्स के नाम लिए हैं, जो ड्रग्स लेते हैं और खरीदते हैं। इसके बाद से करीब 15 बॉलीवुड सेलेब्स एनसीबी की राडार पर हैं। यह दावा भी किया जा रहा है कि ये सेलेब्स बी-कैटेगरी से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि, अभी तक किसी का नाम सामने नहीं आया है।

महाराष्ट्र में जल्द खुल सकते हैं मंदिर

सरकार कर रही है विचार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में आने वाले कुछ दिनों में राज्य सरकार धार्मिक स्थलों और रेस्टौरेंट्स को सीमित संख्या के साथ खोलने पर विचार कर रही है। जल्द इस पर फैसला होने की संभावना जताई जा रही है। कोरोना महामारी से निपटने के लिए बनायी गई टास्क फोर्स की बैठक में हुआ निर्णय। राज्य में मार्च महीने से बंद धार्मिक स्थलों को वापस खोलने की मांग बीते कुछ दिनों से अलग अलग राजनीतिक दल और लोग कर रहे हैं। इस विषय पर अब राज्य सरकार जल्द फैसला लेगी और जल्द ही सीमित संख्या के साथ खोले जाने की

संभावना जताई जा रही है। राज्य में ई दर्शन के जरिये भक्तों को भगवान के दर्शनों का लाभ मिलेगा। इसी प्रकार मंदिर में जाकर दर्शन के लिए भी पहले से टाइम स्लॉट बुक किया जा सकेगा। इस तरह भीड़ को बढ़ने से रोक जा सकेगा। कोविड टास्क फोर्स की बैठक में हुई चर्चा के आधार पर राज्य के गृह विभाग ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य के बड़े और अहम मंदिरों से जानकारी जुटाई जा रही है। शिरडी साईं संस्थान, सिद्धिविनायक, पंढरपुर विट्ठल मंदिर, जैसे अहम जगहों का भौगोलिक अध्ययन किया जाएगा और एसओपी बनाई जाएगी। भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने, स्वच्छता गृह, प्रसादालय और पूजा पाठ जैसे जरूरी बातों के लिए नियम बनाए जाएंगे।

दस प्रतिशत क्षमता के साथ रेस्टॉरेंट खोलने पर विचार: अब तक रेस्टॉरेंट्स में पार्सल की सुविधा उपलब्ध है लेकिन अब यहां भी दस प्रतिशत लोगों के बैठने की अनुमति देने पर विचार की जा रहा है।

लोकल ट्रेन की करनी होगी प्रतीक्षा: भले ही मंदिर और रेस्टॉरेंट्स को खोले जाने की बात सामने आ रही है लेकिन लोकल सेवा की बहाली को लेकर अभी तक कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। जबतक मुंबई और आसपास के इलाकों में कोरोना का असर कम नहीं होता है तब तक लोकल सेवा शुरू होने की संभावना काफी कम है।

स्कूल खुलने पर कोई निर्णय नहीं: कोविड टास्क फोर्स की बैठक में स्कूलों के खोलने पर भी कोई फैसला नहीं किया गया है। इसलिए लोकल ट्रेन की तरह स्कूल भी बंद रहेंगे आने वाले कुछ समय तक।

श्रमिकों की कमी होगी दूर

महाराष्ट्र में वापस लौटे 25 लाख प्रवासी मजदूर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना महामारी का असर अभी जस का तस बना हुआ है। अब शहरों की अपेक्षा गांव में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। महामारी के बढ़ते असर को रोकने के लिए मुंबई और महाराष्ट्र में लॉकडाउन अभी भी बरकरार है। लॉकडाउन की वजह से बंद हुए कारोबार की वजह से कई लोगों को अपनी जॉब से भी हाथ धोना पड़ा

तो दूसरी तरफ अनगिनत लोगों ने महामारी और बेरोजगारी की वजह शहर छोड़कर गाँव कर रुख कर लिए था। अनलॉक 4.0 की शुरूआत के बाद उद्योग जगत ने शर्तों के साथ काम शुरू किया है। इसी के साथ मुंबई और महाराष्ट्र से अपने गाँव गए हुए श्रमिकों ने वापस लौटना शुरू कर दिया है। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार अब तक तकरीबन 25 लाख लोग वापस राज्य में लौटे हैं।

सबसे अधिक लोग मध्य रेल से लौटे हैं: महाराष्ट्र में लौटने वाले लोगों में सबसे ज्यादा लोगों ने मध्य रेल के जरिये वापसी की है। जून माह से लेकर अगस्त तक लगभग २५ लाख श्रमिक वापस लौटे हैं। यह संख्या पश्चिम और मध्य रेल दोनों की मिलाकर है। मध्य रेल की विशेष ट्रेनों से करीबन 16 लाख मजदूर वापस आए हैं जबकि पश्चिम रेलवे से तकरीबन 9 लाख 47 हजार 560 लोग वापस आए हैं। मध्य रेलवे 15 स्पेशल ट्रेनों का एलटीटी, ठाणे और कल्याण जंक्शन से उत्तर भारत और दक्षिण के लिए ट्रेनों का संचालन कर रहा था।

यहां से आ रहीं हैं ट्रेनें: महाराष्ट्र में लौटने वाले मजदूर ज्यादातर दरभंगा- एलटीटी, वाराणसी-एलटीटी,भुवनेश्वर-सीएसएमटी, गोरखपुर- एलटीटी,हैदराबाद- सीएसएमटी, बैंगलुरु- सीएसएमटी ट्रेन सेवाओं समेत अन्य देश के अन्य इलाकों से मुंबई आ रहे हैं। वहीं पश्चिम रेलवे के जोधपुर, नई दिल्ली, अमृतसर, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर समेत अन्य स्टेशनों से मुंबई सेंट्रल,और बांद्रा टर्मिनस आ रही हैं।

कोरोना को रोकने का तानाशाही तरीका

किम जोंग उन ने कहा- चीन की तरफ से आने वालों को गोली मार दो

वॉशिंगटन। पूरी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में है और अपने-अपने तरीके से लड़ रही है। नॉर्थ कोरिया का मामला सबसे हटकर है। तानाशाह किम जोंग उन ने देश में वायरस की रोकथाम के लिए चीन की तरफ से आने वालों को गोली मारने के आदेश दिए हैं। साउथ कोरिया में तैनात अमेरिकी फौज के कमांडर ने शुक्रवार को ये जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं महामारी से लड़ने में नाकाम साबित हो रही है। बीमारी के फैलने के बाद से किम ने अब तक देश में एक भी मामले की पुष्टि नहीं की है। इतना ही नहीं, कोरोना को रोकने के लिए नॉर्थ कोरिया ने चीन से सटी सीमा जनवरी में ही बंद कर

दी थी। जुलाई में नॉर्थ के अधिकारियों ने कहा था कि इमरजेंसी को सर्वोच्च स्तर तक ले जाया गया है। नॉर्थ कोरिया और चीन मित्र देश हैं। किम कई बार ट्रेन से चीन जा चुके हैं। नॉर्थ बड़ी मात्रा में चीन से सामान इम्पोर्ट करता है। यूएस फोर्स कोरिया के कमांडर रॉबर्ट अब्राम्स ने एक ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीमा बंद होने से सामानों की स्मगलिंग बढ़ी है। इसे रोकने के लिए अधिकारियों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। नॉर्थ कोरिया ने सीमा से सटे एक या दो किमी के इलाके में नया बफर जोन बनाया है। उन्होंने वहां स्पेशल ऑपरेशन फोर्स (एसओएफ) तैनात की है। इस फोर्स को आदेश दिए गए हैं कि बफर जोन में दिखने वाले को गोली मार दें। अब्राम्स के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया न्यूक्लियर प्रोग्राम के चलते पहले से ही आर्थिक प्रतिबंधों से जूझ रहा है। बॉर्डर बंद होने से चीन से होने वाले उसके आयात में 85% तक गिरावट आई है। वहीं, नॉर्थ कोरिया टाईफून (चक्रवाती तूफान) मायसाक के प्रभावों से भी उबरने की कोशिश कर रहा है। इसमें दो हजार से ज्यादा घर तबाह हो गए थे।

किम ने 2 साल से अब तक कोई बड़ा परीक्षण नहीं किया: जून 2018 में किम जोंग उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच सिंगापुर में पहली मुलाकात हुई थी। इसके बाद में 2019 में दूसरी मुलाकात वियतनाम और तीसरी नॉर्थ-साउथ कोरिया की सीमा (डिमिलिट्राइज्ड जोन) पर हुई थी। ट्रम्प से मुलाकात के बाद से छोटे मिसाइल टेस्ट तो किए हैं, पर कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया। बीते महीनों में किम की तबीयत बिगड़ने की खबरें आईं। गुरुवार को ट्रम्प ने ट्वीट किया, किम जोंग उन की तबीयत बेहतर है। उन्हें कमतर नहीं आंक सकते।

संकट में भारत की अर्थव्यवस्था

2020-21 में भारत के जीडीपी में आएगी भारी गिरावट

दुनियाभर की रेटिंग एजेंसियों ने जताई चिंता

संवाददाता

नई दिल्ली। संकट में फंसी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोरोना महामारी ने मुश्किलें और बढ़ा दी है। जीडीपी ने निराशाजनक आंकड़े सामने आने के बाद तमाम अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने अपने अनुमानों में संशोधन करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11.5 प्रतिशत गिरावट की आशंका जाहिर की है। मूडीज ने कहा कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 11.5 प्रतिशत की गिरावट आएगी। बता दें कि इससे पहले रेटिंग एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था में चार प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। मूडीज ने शुक्रवार को कहा कि भारत का साख परिवेश निचली वृद्धि, ज्यादा कर्ज तथा कमजोर फाइनेंशियल सिस्टम से प्रभावित हो रहा है। कोरोना वायरस महामारी की वजह से ये जोखिम और बढ़े हैं। मूडीज ने कहा कि अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली में ज्यादा दबाव से देश की वित्तीय मजबूती में और गिरावट आ सकती है। इससे साख पर दबाव और बढ़ सकता है।

जानिए अन्य रेटिंग एजेंसियों ने क्या कहा है?

- सबसे पहले ग्लोबल रेटिंग और रिसर्च एजेंसी गोल्डमैन सैश ने भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट का अनुमान जताया। इस एजेंसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इकॉनमी में 14.8 फीसदी की भारी गिरावट का अनुमान है।
- इसके बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 10.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है।
- घरेलू रेटिंग एजेंसियों क्रिसिल और इंडिया रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रमशः 9 प्रतिशत और 11.8 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है।
- इंडिया रेटिंग्स ने भी पहले भारतीय अर्थव्यवस्था के 5.3 फीसदी सिकुड़ने का अनुमान लगाया था लेकिन अब उसका मानना है कि हालात ज्यादा खराब हैं और भारत की अर्थव्यवस्था 11.8 फीसदी सिकुड़ सकती है।
- एसएचबीसी और मॉर्गन स्टैनले के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान 5 से 7.2 फीसदी के बीच हो सकता है।

जानिए रेटिंग एजेंसी मूडीज के बारे में...

मूडीज अमेरिका की एक कंपनी है। यह बिजनेस और आर्थिक मामलों से जुड़ी हुई कंपनी है। इसे साल 1909 में जॉन मूडी द्वारा स्थापित किया गया था। इस कंपनी को बनाने के पीछे जॉन मूडी का मकसद था स्टॉक मार्केट और बॉन्ड की रेटिंग बताना। मतलब ये बताना कि कौन सा स्टॉक एक्सचेंज कैसा परफॉर्म कर रहा है और कौन सा बॉन्ड खरीदने पर ज्यादा मुनाफा हो सकता है। इसके लिए जॉन मूडी स्टॉक मार्केट और बॉन्ड की रेटिंग किया करते थे। बाद में मूडीज के दो हिस्से हो गए इस में एक हिस्सा मूडीज इन्वेस्टर सर्विस बना जो कि रेटिंग बताती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

खुलेआम दो देशी पिस्तौल और कारतूस बेचने की कोशिश, पुलिस ने किया नाकाम, आरोपी और उसका साथी गिरफ्तार

बुलढाणा। मलकापुर सिटी पुलिस स्टेशन में डीबी दस्ते के अधिकारियों और कर्मचारियों को गोपनीय सूचना मिली सागर संजय भंगाळे, उम्र 25, सरस्वती नगर, वरणगाँव, निवासी, बजाज प्लेटिनम मोटर साइकिल लेकर रेलवे स्टेशन रोड कृषी उतपन्न बाजार समीती के मैदान में दो लोहे के धात से बने हुवी देशी बनावटी पिस्तौल (अग्नीशस्त्र) और जिंदा कारतुस बेचने के लिए ईलाके मे घुम रहा है ऐसी जानकारी मिली। पो. निका श्री कैलास नागरे के आदेश से डीबी पथकाचे अधिकारी व कर्मचारी एपीआई श्रीधर गुठठे, एपी चंद्रकांत ममताबादे, एएसआई रतनसिह बोराडे एनसीपी जितेंद्र सपकाळे, पीसी समाधान ठाकुर, पीओ अनिल डागोर, पीसी ईश्वर वाघ, पीसी शशिकात शिदे, गजानन काळवाघे, पीसी वसीम शेख, पीसी वसीम शेख सलीम बर्डे, पीसी ने योगेश जगताप के साथ मिलकर कृषि उपज मंडी समिति के मैदान में जाल बिछाकर। प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराजित बजाज प्लेटिनम मोटर सायकल पर कृषि उपज मंडी समिति के मैदान में घुम रहा, इस पर छापा मारा। जय भंगाळे वय 25 वर्ष रा. सरस्वती नगर वरणगांव ता. भुसावळ जि. जळगांव इस की तलाशी ली ईस के पास से दो देशी पिस्तौल किमत १५०००रु और एक जिंदा कारतुस कीमत किमत 500 रुपये एक बिना नंबर कि बजाज प्लॅटीना मोटर सायकल कीमत ५०००० ऐसा कुल 80,500 रुपये का माल जब्त करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ईस पर 522/2020 धारा 3.25 कलम ३.२५ शस्त्र अधिनियम कलम १३५ महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम केस दर्ज किया गया। उसके साथी संजय गोपाल चंदेल उम्र 45 वर्ष निवासी दरियापुर गोपाल मार्केट वरनगां से उसे अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया हैऔर आगे की जांच जारी है। माननीय पुलिस अधीक्षक श्री डॉ. दिलीप भुजबल पाटिल, माननीय उप पुलिस अधीक्षक खामगाँव श्री हेमराज सिंह राजपूत, माननीय उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रिया ढाकने मैडम के मार्गदर्शन में मलकापुर शहर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी और डीबी दस्ते के अधिकारियों और कर्मचारियों ने ये कारवाई की है।

समस्तीपुर हलचल

मास्क नही पहनने वालों से 10 हजार रुपया वसूला गया

समस्तीपुर। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निदेर्शानुसार कोविड 19 संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिए मास्क प्रयोग का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला मुख्यालय, अनुमंडल मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालय के अलावा चौक चौराहों एवं कस्बे में मास्क पहनने को लेकर संघन जांच अभियान चलाया गया। संघन जांच अभियान का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस दौरान आम लोगों को सोशल

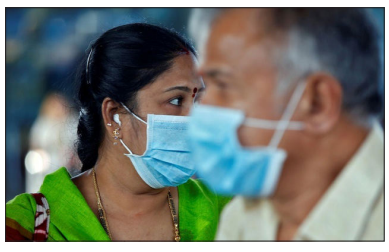

डिस्टेंसिंग के साथ साथ मास्क पहनने को लेकर जागरूक भी किया गया। वहीं मास्क नहीं पहनने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी वसूला गया और उन्हें मास्क उपलब्ध कराया गया। प्रतिनियुक्ति टीमों के द्वारा लोगों को घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनने का आग्रह किया गया। उन्हें बताया गया कि मास्क पहनने से कोविड 19 से संक्रमित होने का खतरा जोखिम कम होता है। शुक्रावार को मास्क नहीं पहनने वाले से समन की राशि वसूल करने एवं मास्क उपलब्ध कराए जाने का विवरण इस प्रकार है। आज टीम के द्वारा 3335 लोगों की जांच हुई, जिसमें 203 लोग बीना मास्क पहने पाए गये, उन लोगों से जुर्माने के तौर पर 10 हजार एक सौ पचास रुपया वसूली की गई और उन्हें मास्क भी उपलब्ध कराया गया।

समस्तीपुर-दरभंगा-समस्तीपुर रेलखंड पर चलाया गया विशेष टिकट चेकिंग अभियान

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सरस्वती चंद्र समस्तीपुर के निर्देशानुसार श्री संजय कुमार मंडल वाणिज्य निरीक्षक (टिकट जांच) के नेतृत्व में समस्तीपुर-दरभंगा रेल खंड पर विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में काफी संख्या में टिकट जांच कर्मी एवं आरपीएफ बल को लगाया गया था। इस अभियान के तहत पर गाड़ी संख्या 025 66 एवं 01062 की जांच की गई। इस जांच के दौरान 15 अनियमित यात्री बिना टिकट पकड़े गए जिनसे जुर्माने के रूप में कुल 6895 रुपए वसूल किए गए।

डबल इंजन की सरकार हर मोर्चे पर विफल: पिंकी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। शुक्रावार को शारदा ज्ञान निकेतन स्कूल के परिसर में दलसिहसराय प्रखंड व नगर राजद महिला सेल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राजद महिला सेल की अध्यक्ष पिंकी राय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। साथ ही साथ नीतीश की सरकार में महिलायें सुरक्षित नहीं है। इन सब मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव में राजद गठबंधन की ही सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव में अपार संभावनाएं है, युवा है, जागरूक है, समाज के सभी तबकों को साथ लेकर चलने की क्षमता है. जमीनी हकीकत को समझते हैं बिहार की समस्याओं के प्रति गंभीर है।

रामपुर हलचल

उत्तर प्रदेश उघोग व्यापार मंडल ने उपजिलाधिकारी सहित नगर के अन्य अधिकारियों को पत्र दिया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टांडा (रामपुर)। उत्तर प्रदेश उघोग व्यापार मण्डल ने उपजिलाधिकारी सहित नगर के अन्य अधिकारियों को पत्र प्रस्तुत करते हुए मांग की गई हैं कि लाकडाउन के चलते साप्ताहिक बाजार एवं शुक्रवार पूर्ण रूप से बन्द चले आ रहे थे कोविड 19 के चलते शनिवार एवं रविवार दुकाने आदि खोले जाने पर पाबन्दी लगा दी गई थी जो अब पूर्ण रूप से चालू अवस्था में हैं लाकडाउन लगाये जाने से पहले नगर का बाजार शुक्रवार के दिन सप्ताह में एक दिन के लिए बन्द रहता था जो अब लगातार चालू अवस्था में हैं जिसकी क्षेत्रीय लोगों को शुक्रवार के दिन दुकाने एवं बाजार खोले जाने का पता नही लग सका है ऐलान के माध्यम से जागरूक कराये जाने की मांग की गई हैं पत्र पर युवा व्यापार मण्डल नगर ध्यक्ष मो० सालिम उपाध्यक्ष मुस्तकीम बाबू,अरविन्द वर्मा, मो०फारूक, वसीम अहमद, मो. फहीम महामंत्री, विजेन्द सैनी के हस्ताक्षर मौजूद है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाभि पर लगाएं ये 5 तेल, स्किन प्रॉब्लम से मिलेगा छुटकारा

सर्दियों में शीत हवा चलने के कारण स्किन और स्वास्थ्य संबंधित बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस मौसम में ठंडी हवा और पानी कम पीने से स्किन रूखी हो जाती है जिससे होंठ फटने, त्वचा का रूखपन, बालों का झड़ना, सांवलापन, दाग-धब्बे जैसी अन्य प्रॉब्लम होने लगती हैं। इनसे बचने के लिए लोग तरह-तरह की क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इनका असर थोड़े समय के लिए ही रहता है। आज हम आपको कुछ तेलों के बारे में बताएंगे जिनको नाभि में लगाकर

आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है। तो आइए जानते हैं सर्दियों में किन तेलों को नाभि पर लगाने से स्किन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है।

1. सरसों का तेल

सर्दियों में होठों को फटने से बचाने के लिए सरसों का तेल नाभि में लगाएं। सरसों के तेल में ओमेगा-3, ओमेगा-6, फैटी एसिड, विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो होठों को नर्म रखते हैं। रोजाना रात को नाभि में सरसों का तेल लगाने से कुछ ही दिनों में होंठ फटने बंद हो जाएंगे।

2. बादाम तेल

बादाम का तेल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व चेहरे की त्वचा को मुलायम बनाते हैं और रंग भी साफ करते हैं। रात को सोने से पहले बादाम के तेल की 3 बुंदे नाभि में लगाने से स्किन समस्याओं से बचा जा सकता है।

3. नीम का तेल

चेहरे पर निकलने वाले मुहासों से राहत पाने के लिए नाभि में नीम का तेल लगाएं। नीम का तेल लगाने से मुंहासे निकलने बंद हो जाएंगे और इससे चेहरे की चमक की बढ जाती है।

4. नींबू का तेल

नींबू के तेल में विटामिन्स, खनिज पदार्थ पाएं जाते है, जो दाग-धब्बों को जड़ से खत्म कर देते हैं। जिन व्यक्तियों का चेहरा दाग-धब्बों से भरा रहता हो उनके लिए यह रामवाण इलाज है। रोजाना नाभि में नींबू का तेल लगाने से दाग-धब्बों और मुंहासों से जल्दी राहत मिलती है।

5. मक्खन

सर्दियों में त्वचा का फटना, ड्राई होना आम सी बात है। इस मौसम में भी स्किन को कोमल बनाएं रखने के लिए मक्खन का उपयोग कर सकते हैं। रात को सोने से पहले मक्खन को नाभि में लगाएं। इससे स्किन ड्राईनेस की समस्या खत्म हो सकती है।

उम्र के हिसाब से डाइट में शामिल करें फाइबर तभी मिलेगा फायदा

लंबी उम्र तक सेहतमंद रहना चाहते हैं तो पौष्टिक आहार लेना बहुत आवश्यक है और सिर्फ इनका सेवन ही नहीं बल्कि इनका पाचन भी ठीक ढंग से होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए फाइबर जिम्मेदार होता है। शरीर को भरपूर फाइबर मिलेगा तो पाचन क्रिया भी दुरुस्त रहेगी हालांकि फाइबर से हमें किसी तरह का पोषण नहीं मिलता लेकिन फिर भी यह शरीर के लिए बेहद आवश्यक तत्व है।खासकर मोटापे के शिकार व डायबिटीज के मरीजों को हर दिन फाइबरयुक्त आहार खाना बहुत जरूरी है।

1. फाइबर है क्या?

फाइबर एक तरह का काबोर्हाइड्रेट हैं जो पांचन संबंधी प्रक्रियाओं को संचालित करने में काफी मदद करता है। यह दो तरह के होते हैं एक घुलनशील व दूसरा अघुलनशील फाइबर। घुलनशील फाइबर युक्त आहार पानी में आसानी से घुल कर गाढ़ा तरल जैल बनाते हैं जो

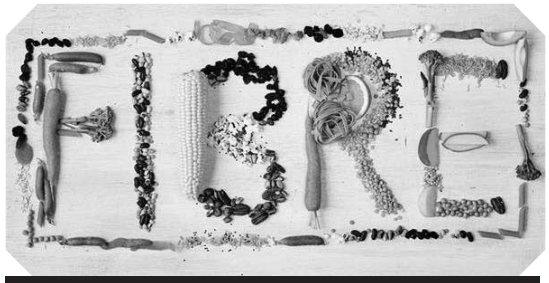

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने का काम करता है। वहीं ब्लड शुगर और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद होता है। अघुलनशील फाइबर शरीर में फालतू भोजन को साफ करने का काम करते हैं। यहीं फाइबर वजन को नियंत्रित करने का काम करते हैं।

2. किन चीजों में होता है भरपूर फाइबर

आहार में अगर 25 से 35 ग्राम फाइबर हैं उसे हाई फाइबर डायट प्लान कहा जाता है। फाइबर साबुत अनाज और नट्स में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता है।

इसके अलावा रेशेदार भोजन, स्ट्रॉबेरी, गेंहू, हरी पत्तेदार सब्जियों, सेब, पपीता, फलिया, मटर,अंगूर, खीरा, टमाटर, बीन्स वाले आहार राजमाह, लोबिया, सोयाबीन, रैस्पबेरी,अमरूद, छिलके वाली दालों, सलाद, एवोकाडो, शकरकंद, दलिया, बेसन और सूजी जैसे खाद्य पदार्थों में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

3. कमी होने पर क्या होगा

फाइबर की कमी होने से शरीर मोटापे का शिकार हो जाता है।
पेट साफ नहीं हो पाता जिससे कब्ज की परेशानी, एसिडिटी रहती है।
मुंह में छाले
आंतों का कैंसर
बवासीर की समस्या
दिल से जुड़ी प्रॉब्लम

4. वजन घटाने में कैसे मददगार है फाइबर

फाइबर का मुख्य काम पाचनतंत्र को हैल्दी रखना है। फाइबर का उपयुक्त सेवन करने पर पेट लंबे समय तक भरा रहता है जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। यहीं गुण वजन कम करने में काफी मददगार होता है। फाइबर पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है और हम जो भी खाते हैं, उसे पचाने में मदद करता है।

5. कितनी मात्रा में लेनी चाहिए फाइबर

50 वर्ष से अधिक महिला को 1 दिन में 21 ग्राम और पुरुषों को 30 ग्राम फाइबर, वहीं 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को 25 ग्राम व पुरुषों को 38 ग्राम फाइबर लेना चाहिए नहीं तो कब्ज हो सकती है।

6. ध्यान दें

वजन कम करने के लिए सिर्फ योग, एक्सरसाइज या डाइटिंग ही नहीं बल्कि आपको भरपूर फाइबर वाले आहार लेना भी बहुत जरूरी है। इससे मेटाबॉलिज्म सही रहता है।

सफेद बालों को इन नैचुरल डाई से करें कलर, दिखेंगी खूबसूरत

उम्र से पहले सफेद बालों की समस्यां लड़कियों में आम देखने को मिलती हैं। बालों के असमय सफेद होने या फैशन स्टेटमेंट के कारण हेयर कलर का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। लोग सफेद बालों को छुपाने सा फैंशन के लिए बालों में हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कैमिकल युक्त हेयर कलर बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हें बनाने के लिए अमोनिया जैसे खतरनाक केमिकल्स का प्रयोग किया जाता है, जो बालों के साथ-साथ स्कैलप की त्वचा के लिए भी खतरनाक है। इसकी बजाए आप घर पर ही सुरक्षित हेयर कलर्स बनाकर बालों को सुरक्षित तरीकों से कलर कर सकती हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप अपने बालों को नैचुरल तरीकों से डाई कर सकती हैं।

1. टमाटर का रस

टमाटर के रस को बालों में लगाकर हल्की मसाज करें। इसके बाद शॉवर कैप लगाकर इसे कम से कम 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे आपके बालों को रैडिश टोन मिल जाएगी।

2. हिना

अरंडी के तेल और हिना पाउडर को मिक्स करके अच्छी तरह उबाल लें। इसके बाद इसे स्कैलप और सफेद बालों पर लगाकर 2 घंटों तक छोड़ दें। इसके बाद बालों को हल्के शैम्पू या शिखाकाई से धो लें।

3. कॉफी

किसी भी स्ट्रॉन्ग कॉफी को अच्छी तरह उबालकर स्प्रे बोतल में डालें। इसके बाद इसे बालों और स्कैलप पर स्प्रे करें। इसे लगाने के 1 घंटे बाद बालों को धो लें। आपको नैचुरल कलर मिल जाएगा।

4. ब्लैक टी

स्ट्रॉन्ग चाय पत्ती को पानी में गाढ़ा होने तक अच्छी तरह उबालें और ठंडा कर लें। इसके बाद इसे बालों में लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इसके बाल बालों को धो लें।

5. अखरोट के छिलके

अखरोट के छिलकों को बारिक पीस कर 30 मिनट तक उबालें। इसे ठंडा करके 1 घंटे तक बालों में लगाएं और उसके बाद बालों को धो लें।

होममेड कर्ल क्रिम से ऐसे बदलें अपना लुक

बाल पर्सनैलिटी का खास हिस्सा है, कहीं पार्टी पर जाना हो तो इसके लिए लड़कियों को हमेशा यही चिंता रहती है कि कौन सा हेयर स्टाइल किया जाए। इसके अलावा अगर हर बार एक ही तरह का बालों का स्टाइल करके बोर हो चुकी हैं तो इस बार कर्ल ट्राई करें। इसके लिए आपको किसी पार्लर पर भी नहीं जाना पड़ेगा। घर पर आसान और नैचुरल तरीके से कर्ल क्रीम का इस्तेमाल करके आप अपनी लुक को बदल सकती हैं। आइए जानें किस तरीक से बनाएं यह क्रीम।

जरूरी सामान

2 टेबलस्पून एलोवीरा जैल
2 टेबलस्पून नारियल का तेल
2 टेबलस्पून शिया बटर

इस तरह करें इस्तेमाल

1. एक बाउल में इस सारी सामग्री को मिक्स कर लीजिए।
2. इसके बाद बालों को हल्का गीला करके बालों के मध्य से आखिरी सीरे तक इस क्रीम को लगाएं।
3. इसके बाद बालों को उंगुलियों पर कर्ल की तरह गोल-गोल घुमाएं और ब्लो ड्राई करें। आप इसके लिए स्टिक का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
4. अब आप किसी भी पार्टी में अपने कर्ल के साथ स्टाइल दिखा सकती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रश्मि देसाई ने दिया अंकिता का साथ

अंकिता लोखंडे और शिबानी दांडेकर विवाद के बीच में अब रश्मि देसाई आ गई है। रश्मि ने अपना सपोर्ट अंकिता को दिखाया है और कहा है कि वो एक बड़ी स्टार हैं और उन्हें दो सेकेंड्स फेम की जरूरत नहीं जैसा शिबानी ने आरोप लगाया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज शेयर कर रश्मि ने लिखा कि, आप एक बड़ी स्टार हैं और आपको लोगों ने आपके अवतार में ही प्यार दिया है। अंकिता आपको किसी को भी कुछ साबित करने की जरूरत नहीं। आई लव यू। रश्मि ने यहां ये भी कहा कि, शिबानी को अंकिता के रिलेशनशिप पर बोलने को कोई हक नहीं है क्योंकि जब सुशांत के साथ उनकी डेटिंग शुरू हुई थी तो सुशांत स्टार नहीं थे। रश्मि ने आगे कहा कि, लोगों का दिमाग इतना छोटा हो गया है कि वे अपनी रेखा को महसूस नहीं कर पाते हैं और उन्हें पार कर देते हैं। मैं वास्तव में उनके दर्द का सम्मान करती हूं और समझती हूं लेकिन किसी को बिना किसी ज्ञान के दोष देना सही नहीं है।

अक्षय का खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने खुलासा किया है कि वह हर रोज गोमूत्र का सेवन करते हैं और ऐसा वह आयुर्वेदिक कारणों से करते हैं। अक्षय फिलहाल हुमा कुरैशी और लारा दत्ता भूपती के साथ स्कॉटलैंड में अपनी अगली फिल्म बेल बॉटम की शूटिंग कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर एक लाइव सेशन के दौरान 'इन टू द वाइल्ड' के अपने विशेष एपिसोड को लेकर उत्साहित अक्षय ने एडवेंचरर और टीवी होस्ट बेयर ग्रिल्स के साथ रूबरू हुए और उनके साथ जंगल के इस दुस्साहसिक सफर की कुछ चुनौतियों पर बात की। जब हुमा ने उनसे इस दौरान यह पूछा कि वह शो पर हाथी के गोबर से बनी चाय को पीने के लिए खुद को किस तरह से मनाया, तो इस पर अक्षय ने कहा, मैं चिंतित नहीं था। मैं काफी ज्यादा रोमांचित था। मैं आयुर्वेदिक कारणों के चलते हर रोज गोमूत्र का सेवन करता हूं, तो मेरे लिए ऐसा करना मुश्किल नहीं था। अक्षय ग्रिल्स के साथ कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रिजर्व में एक दुस्साहसिक सफर पर गए थे, जहां 'इनटू द वाइल्ड विद बीयर ग्रिल्स' के एक एपिसोड की शूटिंग की गई, जिसे 11 सितंबर डिस्कवरी प्लस पर प्रसारित किया जाएगा।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D.JALAN COLLEGE
OF SCIENCE, COMMERCE & ARTS
Estd. : 2011
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
AFFILATED TO UNIVERSITY OF MUMBAI & M.S. BOARD, PUNE
A Sister Concern of S.J.PODDAR ACADEMY (ICSE) • Linguistic MARWARI Minority College

COURSES OFFERED

JUNIOR COLLEGE
UDISE Code No. : 27230600241

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. SCIENCE : General & Science with I.T
COLLEGE CODE : MU248SPE

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. COMMERCE : General & Commerce with I.T
COLLEGE CODE : MU248CPE / MU248CFE

DEGREE COLLEGE

SCIENCE : CBZ (Chemistry, Botany & Zoology)
COMMERCE : Regular (Optional Subject : I.T.)
ARTS : Psychology, Economics & English
COLLEGE CODE : 527

OUR COLLEGE HELPS THE STUDENTS IN

- One-on-One Mentoring
- Improving Communication Skills
- Confidence Building
- Personality Development
- Updating their Knowledge in Latest Technology
- Successfully completing industry-Guided Certificate Programs
- Starting their own venture
- Internships and placements

Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
022-40476030 gdjalancollege@gmail.com
www.gdjalan.edu.in